प्रदेश के सभी 254 औद्योगिक क्षेत्रों में बनेंगे श्रमिक सुविधा केंद्र

पहले चरण में 45 औद्योगिक क्षेत्रों से शुरुआत, तीन शहरों में तैयार

लखनऊ। औद्योगिक इलाकों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए प्रदेश के सभी 254 औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक सुविधा केंद्र बनाए जाएंगे। इन्हें चरणवार बनाया जाएगा। पहले चरण में 45 औद्योगिक क्षेत्रों को चुना गया है। हापुड़, साहिबाबाद और लखनऊ में मॉडल श्रमिक केंद्र बनकर तैयार हैं। इनमें श्रमिकों के लिए विश्राम स्थल, स्वच्छ शौचालय, शुद्ध पेयजल और प्राथमिक चिकित्सा जैसी सुविधाएं हैं। इससे उनके जीवन की गुणवत्ता बेहतर होगी और उत्पादकता में 20 फीसदी तक की वृद्धि होगी।

विश्वकर्मा दिवस पर यूपीसीडा की ओर से औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक सुविधा केंद्र का संचालन सरोजनी नगर लखनऊ में शुरू किया गया है। गाजियाबाद में भी केंद्र शुरू हो गया है। यहां रोजगार के लिए पंजीकरण की सुविधा, ईएसआई और ईपीएफ से संबंधित नामांकन, फार्म भरने की प्रक्रिया आदि में सहयोग और सलाह दी जाएगी। श्रमिक सुविधा केंद्रों से उद्यमियों को औद्योगिक क्षेत्रों में किए जाने वाले सिविल, इलेक्ट्रिकल एवं स्वच्छता संबंधी कामकाज और उनसे जुड़ी कार्यकारी संस्थाओं की जानकारी भी मिलेगी। इसके अलावा यहां कुशल व अकुशल श्रमिक रोजगार के लिए पंजीकरण कराकर भविष्य की भर्ती और और प्लेसमेंट प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं।

यूपीसीडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मयूर महेश्वरी ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर श्रमिकों के लिए इस सेवा को सभी औद्योगिक क्षेत्रों में शुरू किया गया है। ब्यूरो

सुविधा केंद्र में अन्य सुविधाएं

औद्योगिक क्षेत्र के श्रमिक अक्सर लंबे समय तक मेहनत करते हैं। उनकी थकान दूर करने के लिए विश्राम स्थल बनाए गए हैं। इससे उनकी ऊर्जा और कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। सुविधा केंद्र में पेयजल और शौचालय जैसी व्यवस्था भी की गई है। प्राथमिक स्वास्थ्य की सुविधा रहेगी। यूपीसीडा के सीईओ ने कहा कि इससे प्रदेश निवेशक अनुकूल के साथ-साथ श्रमिक अनुकूल गंतव्य के रूप में आगे बढ़ेगा।